films of good quality with a view to raising the standard of films produced in the country. The Corporation has taken a decision not to finance very costly production ventures so that it may give assistance only to comparatively low cost films of good quality.

Obnoxious Telephone Calls in Delhi

1800. SHRI CHANDRA SHEKHAR SINGH : Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING AND COMMUNICATIONS be pleased to state :

(a) whether the incidence of obnoxious calls on telephones in Delhi is on the increase ;

(b) if so, the number of such calls registered with the complaints department of Delhi Telephones during the past one year, month-wise ;

(c) whether it is also a fact that lately the Obnoxious calls are originating from Telephone Nos. 70402 and 70475, the manually operated exchanges of Civil Aviation and A. H. in R. K. Puram under Jor Bagh Exchange ; and

(d) if so, what steps are being taken to trace out the obnoxious callers and punish them ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING AND IN THE DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS (SHRI SHER SINGH) : (a) No.

(b) The month-wise break-up-of the complaints for some months is as follows :—

Nov.'	68	46	May'	69	41
Dec.'	68	37	June'	69	48
Jan.'	69	30	July'	69	55
Feb.'	69	26	Aug.'	69	40
March'	69	36	Sep.'	69	37
April'	69	56	Oct.'	69	44

(c) Yes.

(d) In both the cases warning notices to the offending subscribers have been issued threatening disconnection. The cases are being pursued to ensure the stoppage of such calls.

12.04 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

TRANSFER OF KOTWALI BUILDING TO GURUDWARA PRABANDHAK COMMITTEE, DELHI

श्री बलराज मधोक (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, मैं अविलम्बनीय लोक महत्व के निम्नलिखित विषय की ओर स्वास्थ्य और परिवार नियोजन तथा निर्माण, आवास और नगरीय विकास मंत्री का ध्यान दिलाता हूँ और प्रार्थना करता हूँ कि वे इस बारे में एक वक्तव्य दें :

"केन्द्रीय सरकार द्वारा गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी, दिल्ली, से कोतवाली की इमारत के लिए, जिसे गुरु तेगबहादुर जी के आत्म-बलिदान की स्मृति में एक स्मारक गुरुद्वारे के रूप में परिणित किया जाना है, 16 लाख रुपये से अधिक की कथित

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING ; AND WORKS, HOUSING AND URBAN DEVELOPMENT (SHRI B. S. MURTHY) : Correspondence was exchanged between the Lt. Governor, Delhi Administration and the Gurudwara Prabandhak Committee Delhi State, Delhi for transfer of a part of Kotwali land measuring 0.7 acres together with structures thereon for erecting a memorial to Guru Teg Bahadur, Bhai Moti Das and other martys. An agreement was arrived at for transfer of the same land which was incorporated in the letter dated the 10th October, 1968 addressed by the Gurudwara Parbandak Committee, Delhi State to the Lt. Governor. Amongst other terms of the transfer, the more important are the following :

(1) The Prabandak Committee would pay Rs. 16,35,000 to the Delhi Administration for the construction

[Shri B. S. Moorthy]

of a new Kotwali building having accommodation equivalent to the structures standing on the land to be given to them ;

[SHRI M. L. SONDHI : Why did you ask for money ? Next time you will ask them to construct a new airport].

(2) Rs. 10 lakhs out of the total amount would be paid immediately and the balance within the next 6 months.

In accordance with the agreement, the initial payment of Rs. 10 lakhs was made by the Committee and the Delhi Administration has started construction of a new Kotwali building at Daryaganj. The new building is under construction and the Delhi Administration are making all possible efforts to complete it as soon as possible. The Administration have not so far demanded the payment of the balance from the Committee as it is their intention to take the payment at the time of release of the land for the construction of the new building.

Requests were received by the Delhi Administration from certain organisations for the grant of the land to the Gurudwara Prabhandak Committee free of cost. As the matter had been settled by negotiations and agreement, these requests have not been entertained.

श्री बलराज मधोक (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, हमारे देश में बलिदानियों की एक महान परम्परा है। उस बलिदानियों में गुरु तेग बहादुर जी अपनी मिसाल आप हैं। उन्होंने उस समय अपने देश और धर्म की रक्षा के लिए बलिदान दिया जिस समय यहां पर विदेशी राज्य था और औरंगजेब के राज के अन्तर्गत इस्लाम थियोक्रैसी का नंगा नाच हिन्दुस्तान में हो रहा था। उस समय कश्मीर के पंडित उनके पास आये और उन्होंने अपनी धार्मिक स्वतन्त्रा के लिए उनसे प्रार्थना की कि सभी को अपना धर्म पालन करने की स्वतन्त्रता हो। इस महान कार्य के लिए श्री गुरु तेग बहादुर जी ने अपना बलिदान दिया। उनके साथ ही भाई मतीदास का बलिदान हुआ। उसके बाद यह परम्परा चली—उनके महान पुत्र गुरु गोविन्द सिंह जी तथा उनके शिष्य वन्दा बहादुर ने बलिदान दिये। उन सब बलिदानियों का स्थान था चांदनी चौक, चांदनी चौक का फौवारा और कोतवाली। हिन्दुस्तान में इतना पवित्र स्थान शायद ही कोई और हो। इस स्थान पर एक नहीं, दो नहीं, हजारों बलिदानियों ने अपने देश, धर्म, जाति और धार्मिक स्वतन्त्रता के लिए बलिदान दिये। चाहिये तो यह था कि देश के स्वतन्त्र होते ही यह स्थान एक महान स्मारक के रूप में वदल दिया जाता लेकिन देश का दुर्भाग्य है कि जब तक दिल्ली के अन्दर जनसंध का प्रशासन नहीं आया, यह हमारी तथाकथित सेक्युलरवादी सरकार चुपचाप बैठी रही और कुछ भी नहीं किया। जब जनसंघ का प्रशासन आया तब हमने यह सवाल उठाया कि कोतवाली की बिल्डिग गुरु तेग बहादुर का स्मारक बनाने के लिए दी जाये। लेकिन केन्द्रीय सरकार ने इसके लिये रुपया मांगा—वह बनिया बन गई। इस देश में पिछले बीस सालों में कई स्मारक बने हैं—पंडित जवाहरलाल नेहरू का स्मारक बना, गांधीजी का स्मारक बना और अभी मिर्जा गालिब का स्मारक बना जिसके लिये केन्द्रीय सरकार ने बीस लाख रुपये दिये। अब ये कहते हैं कि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी से बातचीत हुई। क्या बातचीत हुई ? आप सरकार हैं, आपने प्रबन्धक कमेटी को मजबूर किया, वह जगह चाहते हैं ताकि स्मारक बन सके, उन्होंने मजबूर होकर रुपया देने के लिये कह दिया। ···व्यवधान··· मैं दो स्पष्ट प्रश्न करना चाहता हूं।

पहला प्रश्न यह है कि क्या दिल्ली प्रशासन की एग्जीक्यूटिव कौंसिल ने सर्व सम्मति से प्रस्ताव पास करके भेजा है कि यह देश का पवित्रतम स्थान है इसलिए इसकी कोई कीमत न ली जाये और अगर आपने कीमत ली है तो

क्या आप उसको वापिस नहीं कर सकते ? यदि वापिस नहीं कर सकते तो क्या कम से कम 20 लाख रुपया आप ग्रान्ट के रूप में गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी को देंगे ताकि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी वहां पर स्मारक बना ले ?

दूसरा प्रश्न यह है कि जहां देश के अन्दर और स्मारक बने हैं, इस स्मारक के निर्माण के लिये भी क्या भारत सरकार अपनी ओर से न सिर्फ यह कि वह जमीन की कीमत ही न ले बल्कि उसके अलावा कुछ और भी रुपया देगी ताकि इस जगह पर जो हमारे बलिदान हुए हैं उनकी शान के अनुरूप उचित स्मारक बनाया जा सके ? तीसरी बात यह है कि जो चांदनी चौक है जहां पर भाई मतीदास को आरे से काटा गया था वहां पर मतीदास चौक बना दिया जाये ?

स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन और निर्माण आवास तथा नगरीय विकास मंत्री (श्री के० के० शाह) : प्रोफेसर बलराज मधोक न्याय की बात करेंगे ऐसा मैं मानता था । अब बड़ा दुःख है पैसा आप ने लिया···

श्री कंवर लाल गुप्त (दिल्ली सदर) : नहीं नहीं, यह गलत है । यह रिजर्व सब्जेक्ट है, इस की आप जांच करा लीजिये ।···**व्यवधान**···

श्री के० के० शाह : आप पूरी बात तो सुनिये । दिल्ली ऐडमिनिस्ट्रेशन ने पैसा लिया । बात ऐसी हुई थी कि आप एक रिजोल्यूशन करके एजूकेशन मिनिस्ट्री को भेजिये । ऐजूकेशन मिनिस्ट्री में मैं तलाश करता रहा । आप का जो रिजोल्यूशन हुआ वह रिजोल्यूशन आप ने अभी तक मुझको नहीं भेजा ।

गालिब मैमोरियल को पैसा दिया गया वह एजूकेशन मिनिस्ट्री ने दिया है । और बात हुई थी कि आप रिजोल्यूशन कर के शिक्षा मंत्रालय को भेजेंगे । जो समझौता हुआ है उस के मुताबिक पैसा लिया । रिजोल्यूशन कर के आप भेजने वाले थे । मैंने तलाश की हैं, लेकिन मुझे पता नहीं वह यहां मिला कि नहीं मिला है । आप भी तलाश कीजिये मैं भी तलाश करूंगा ।

श्री बलराज मधोक : हमारा उसके ऊपर कोई कंट्रोल नहीं है । यह उसकी जिम्मेदारी है । आप अभी ऐलान कर दीजिए । हमने प्रस्ताव पास किया है । आप ऐलान कर दीजिये कि 20 लाख रुपये की ग्रान्ट आप देंगे । सरकार तो एक ही है, एजूकेशन मिनिस्ट्री हो या आप की मिनिस्ट्री हो ।

श्री के० के० शाह : अभी बात इसके ऊपर चल रही है । आप ने रिकमन्डेशन ऐसा किया था···

श्री कंवर लाल गुप्त : मैंने चिट्ठी लिखी थी । आप का यह कहना गलत है, मत्री महोदय को स्वयं अपनी ताकत का पता नहीं है ।

श्री के० के० शाह : दिल्ली ऐडमिनिस्ट्रेशन ने क्या ऐसा रिकमन्डेशन किया था ?

श्री कंवर लाल गुप्त : किया है ।

श्री के० के० शाह : नहीं किया है आप पूछ लीजिए । आप गलत कहते हैं **(व्यवधान)**

श्री बलराज मधोक : मैंने अपने फैक्ट्स चीफ एग्जीक्यूटिव काउन्सिलर से औबटेन किये हैं ।

श्री के० के० शाह : तो फिर दिल्ली ऐडमिनिस्ट्रेशन क्यों ऐसा करता । यदि आप ऐसा कहते कि पैसा भी नहीं लिया जाय और ग्राण्ट भी दिया जाय तो एक बात थी···

श्री बलराज मधोक : पैसा न लिया जाय और उन को ग्रान्ट दी जाय । यह जमीन फ्री दी जाय । दूसरी मांग यह है कि वहां मैमोरियल

[श्री बलराज मधोक]

बनाने के लिये कम से कम 20 लाख रुपये की ग्रान्ट दी जाय ।

श्री के० के० शाह : आप दिल्ली ऐडमिनिस्ट्रेशन को मेहरबानी कर के कहिये...

श्री कंवर लाल गुप्त : आपको मालूम नहीं है, होम मिनिस्टर को भेजा है ।

श्री के० के० शाह : ऐजूकेशन मिनिस्ट्री को भेजना चाहिये, हमको लिखना चाहिये था कि हम ने लिखा है । वह भी आप ने नहीं लिखा ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री (हापुड़) : अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है ।

मेरा निवेदन यह है कि यह आप की जिम्मेदारी है कि जो प्रश्न जिस रूप में आये मंत्री महोदय की ओर से उस का स्पष्ट और सही उत्तर दिया जाय । जिससे सदन संतुष्ट हो सके । आप यह कह रहे हैं कि हमारे पास इस तरह का प्रस्ताव नहीं आया । इनका कहना है कि हमने प्रस्ताव भेजा है और अगर पैसा लिया है तो हम उसको वापस करने को तैयार हैं । केन्द्रीय सरकार अपनी तरफ से कह दे कि वह जमीन फ्री देने को तैयार है । तो मंत्री महोदय स्पष्ट क्यों नहीं कहते हैं कि हम इतना रुपया देंगे ।

श्री के० के० शाह : मैंने जवाब दे दिया और साफ कहा कि आप का खत पहुंचा मैं इस की तलाश कर रहा हूं एजूकेशन मिनिस्ट्रों में । अब आप कहते हैं कि होम मिनिस्ट्री में गया है । यदि आप चेंज करना चाहते हैं जो एग्रीमेंट आप का और दिल्ली ऐडमिनिस्ट्रेशन के बीच हुआ है तो चेंज कर के भेज दीजिए ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : सवाल यह है कि मंत्री महोदय को यह घोषणा करने में क्या आपत्ति है कि जो पैसा होगा वह नहीं लेंगे और और यह सारी जमीन फ्री दे देंगे । इसमें क्या आपत्ति है ?

अध्यक्ष महोदय : जनसंघ वालों ने, सभी ने फैसला किया हुआ है कि सभी इकट्ठा हो कर बोलें ।

When the leader of the hon. Member's party has put the question already, where is the necessity for other Members to stand up and start putting the same question? After all, there should be some discipline among the members of the same party. I find that Shri Kanwar Lal Gupta is getting up every time...

SHRI KANWAR LAL GUPTA : I am very much disturbed over his reply.

MR. SPEAKER : He always gets disturbed. I do not know what the malady is.

SHRI K. K. SHAH : He is a seasoned lawyer. I do not know he gets disturbed.

श्री राम स्वरूप विद्यार्थी (करौल बाग) : दुर्भाग्य से केन्द्रीय सरकार ने कोआर्डिनेशन नहीं है । दिल्ली की तरफ से बार बार इस चीज की डिमान्ड की गई है कि एक मिनिस्ट्री का दिल्ली के लिये जिम्मेवार करार दे दिया जाय । लेकिन हर मंत्री यह चाहता है कि दिल्ली पर उसका अधिकार हो, आप भी चाहते हैं, होम मिनिस्टर भी चाहते हैं । आठ मिनिस्ट्रीज़ दिल्ली के मामलात को डील करती हैं, और मंत्री महोदय उस की शरण ले कर जवाब दे रही है ।

मंत्री महोदय ने हाउस को मिस लीड करने की कोशिश की है । दिल्ली मैट्रोपोलिटन काउन्सिल, जो वहां की चुनी हुई बोडी है, उस ने एक रिज़ोल्यूशन पास कर के केन्द्रीय सरकार के पास भेजा है । पता नहीं इन के पास गया या और किसी के पास गया या मंत्री महोदय के पास आया । तो क्या मंत्री महोदय इन्कार करेंगे कि

आठ महीने पहले दिल्ली प्रशासन से मैट्रापौलिटन काउन्सिल का रिज़ोल्यूशन केन्द्रीय सरकार के पास नहीं आया और उस के बाद जो एग्जीक्यूटिव काउन्सिल है उसकी तरफ से यूनानिमसली डिसीज़न हो कर केन्द्रीय सरकार के पास आया है। तो क्या उसके लिये आप इन्कार करेंगे ? उन्होंने स्पष्ट रिज़ोल्यूशन में कहा है कि 20 लाख रुपये की ग्रान्ट आप गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी को दे दीजिये। तो वह देने के लिये आप तैयार हैं कि नहीं ?

आप चाहते है कि चिट्ठी आये। चिट्ठी की कोई बात नहीं है, रिज़ोल्यूशन पास हुआ है स्पष्ट जवाब दीजिये।

श्री के० के० शाह : मैंने अभी कहा और और राज्य सभा में ही कहा है। अब आप कहते हैं कि होम मिनिस्ट्री को भेजा है। उसकी एक कापी मुझ को भेज दीजिये। फिर मैं सब मिनिस्ट्रीज़ में पता लगा लूंगा। (**व्यवधान**)...

श्री राम स्वरूप विद्यार्थी : मंत्री महोदय के पास यदि कोई चीज़ आये, किसी सरकार से कोई चीज़ आये, अगर बंगाल की गवर्नमेंट से कोई चीज लिख कर केन्द्रीय सरकार को आये... (**व्यवधान**)......

MR. SPEAKER : When they send a letter to the Kendriya Sarkar, they should address it to the Government of India. But the hon. Minister says that he asked them to send that letter to the Ministry of Education, but they sent it to the Ministry of Home Affairs. Now, the hon. Minister says that they may send it to him.

श्री कंवर लाल गुप्त : जो मंत्री महोदय ने जवाब दिया है उस से हमारी नहीं बल्कि करोड़ों लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंची है। हम आशा करते थे कि मंत्री महोदय कोई न कोई स्पेसिफ़िक इस चीज़ का जवाब देंगे। यह जो लैंड और डेवलपमेंट का सबजेक्ट है यह रिजर्व सबजेक्ट है और सैन्ट्रल गवर्नमेंट के अन्डर है, जो कि आप ने लैफ़टिनैंट गवर्नर को ट्रांसफ़र किया हुआ है।

अगर आपको यह एतराज हो कि दिल्ली एेडमिनिस्ट्रेशन या मैट्रोपोलिटन काउन्सिल अगर यह बात कहे कि जमीन भी हम मुफ़्त देना चाहते हैं, तो मैं जिम्मेवारी के साथ कहना चहता हूं कि जो चुनी हुई इलैक्टेड मैट्रोपोलिटन काउन्सिल है वह गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी को इस नेशनल मौन्यूमेंट के लिये जमीन भी मुफ़्त देना चाहती है और उस के अलाव 20 लाख रुपया और देना चाहती है। यह निश्चित बात है...

MR. SPEAKER : The answer has been given already. The hon. Member should ask a straight question only.

SHRI RANDHIR SINGH (Rohtak) : The whole House wants this.

श्री कंवर लाल गुप्त : अब होम मिनिस्ट्री से आप के पास आया कि नहीं, मैं नहीं जानता। तो मैं मंत्री जी से कहूंगा कि आप यह डिस्क्रिमिनेशन न कीजिये, डबल स्टैन्डर्ड मत खोलिये...

श्री रणधीर सिंह : सारा हाउस चाहता है। डबल स्टैन्डर्ड की क्या बात है डबल स्टैन्डर्ड यह प्ले करते हैं।

श्री सुरेन्द्रनाथ द्विवेदी (केन्द्रापाड़ा) : डबल पार्टी हो गयी तो डबल स्टैन्डर्ड होगा।

श्री कंवर लाल गुप्त : जब दूसरे नेताओं के नेशनल मौन्यूमेंट बनते हैं, जैसे जवाहर लाल म्यूज़ियम के लिये सरकार ने कोई पैसा नहीं लिया, जब तीन मूर्ति के लिए जवाहर लाल ट्रस्ट से कोई नहीं पैसा लिए, क्योंकि वह राष्ट्रीय नेता थे, तो प्रबन्धक कमेटी से भी पैसा लेना मैं समझता हूं बेसिकली गलत बात होगी।

मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि

[श्री कंवरलाल गुप्त]
क्या सरकार अपने डिसीज़न को रिवाइज़ करने के लिए तैयार है ? आप के पास अगर रिज़ोल्यूशन नहीं पहुंचा, मान लीजिए आगे पहुँच जाय, या कल पहुंच जायेगा, तो क्या सरकार उस पर विचार कर के यह विश्वास सदन को दिलायेगी, जैसा माननीय रणधीर सिंह ने कहा कि सब की भावनायें हैं वह ज़मीन का पैसा उन से न लिया जाय ।

श्री रणधीर सिंह : देश के इतने बड़े मार्टिअर हो गये है । मंत्री जी खामख्वाह बात बढ़ा रहे है क्यों नहीं कह देते कि हम देगें ? अब करना है हमें क्रेडिट उधर के लोग लेना चाहते हैं । करेगी तो इसे सैंट्रल गवर्नमेंट और मिनिस्टर साहब क्यों नहीं कह देते कि हम इसे करेगें ?

अध्यक्ष महोदय : श्री रणधीर सिंह के बार बार खड़े होकर इस तरह कहने से क्या फायदा है । वह 100 दफे उठें उस से कोई फर्क नहीं पड़ेगा और उनके बार बार उठने से मेम्बर्स को तसल्ली नहीं होगी बल्कि वह तो मिनिस्टर के उठ कर कहने से होगी ।

श्री कंवरलाल गुप्त : मेरा सवाल मंत्री महोदय से यह है कि अगर अभी तक नहीं पहुंचा है तो अब पहुंच जायगा और क्या सरकार यह विश्वास दिलायेगी कि जमीन का पैसा वापिस कर दिया जायेगा और 20 लाख रुपया......

श्री के० के० शाह : दिल्ली ऐडमिनिस्ट्रेशन को इस के लिए उन से पैसा नही लेना था और इसलिए इसमें हमारा कोई सवाल उठता नहीं है । इसलिए मैंने कहा कि शान्ति से बैठो । उन को बोलने दो । यह डबल वे वे चलाते हैं कि हम चलाते है इसका पता लग जायेगा ।

श्री कंवरलाल गुप्त : अध्यक्ष महोदय, मुझे अपना सवाल तो पूरा कर लेने दिया जाय । मंत्री महोदय तो बीच में ही बोल गये ।

MR. SPEAKER : While putting a question, the hon. Member should not adopt the position of putting the Minister in the dock. That is a wrong position. He just wants Information, and so he should not adopt the position of putting the Minister who is answering in the dock. Let him take this once and for all. The hon. Member is not standing here to cross-examine him.

श्री कंवरलाल गुप्त : मुझे सवाल तो पूरा कर लेने दिया जाय ।

MR. SPEAKER : I have allowed his question and the hon. Minister has answered it already. I am not going to allow this any more.

SHRI KANWAR LAL GUPTA : He has not answered it.

MR. SPEAKER : God help ! What did he do all this time ?

SHRI KANWAR LAL GUPTA : He only interrupted me. I never asked any question. You may see the record.

MR. SPEAKER : What was he doing all the time ?

श्री शिवचन्द्र झा (मधुबनी) : अध्यक्ष महोदय, आप ने अभी कहा कि मैम्बर साहबान मिनिस्टरान से इनफौरमेशन इलिसिट करने की कोशिश करें और मैम्बर साहबान मिनिस्टर्स को डाक में न रखें । यह रूल्ज आफ प्रोसीज्योर या संविधान इस की गुंजाइश देते हैं कि जरूरत पड़ने पर हम मिनिस्टर्स को डौक में रखें या कौर्नर कर सकें । लेकिन अध्यक्ष महोदय ने जो अभी कहा कि मिनिस्टर्स से हम केवल इनफर्मेशन इलिसिट करें और उन्हें डौक में न रखें तो यह हमारे रूल्स आफ प्रोसीज्योर के खिलाफ़ जाता है और मैं स्पीकर साहब की इस रूलिंग का विरोध करता हूं ।

MR. SPEAKER : I have followed the rules more than the hon. Member.

12.25 hrs.

श्री कंवरलाल गुप्त : मंत्री महोदय के लिए अच्छा होगा वह सारे सदन् की भावनाओं की क़द्र करें और इस को मान लें। यह न हो कि जब इस के लिए जन आन्दोलन हो तब इस को वह मानें।

मैं पूछना चाहता हूँ कि सरक र वह जो पत्र नहीं भी आया है वह जब आ जायेगा तो उसके आने के बाद उस डिसीशन को रिवाइज़ करेंगे और वह जो रूपया ज़मीन के लिए दिया है वापिस करेंगे। इसके अलावा 20 लाख रूपया और इस मैमोरियल के लिए क्या सरकार देखी जैसा कि दिल्ली प्रशासन ने कहा है और अगर नहीं तो क्यों नहीं ?

श्री के. के. शाह : अभी मेरी आपसे प्रार्थना है कि जैसे आप का सवाल मैंने गौर से सुना उसी तरह आप भी मेरा जबाब सुन लीजिये।

मेरी पहली विनती तो यह है कि दिल्ली ऐडमिनिस्ट्रेशन हजारों चीज़ों में रेजोल्युशंस पास करके उन की सरकार से सिफारिश करता है तो इस में उन निगाशिएंशस के चलते क्यों नहीं तब उस तरह की सिफारिश उस ने की। ज़मीन की क़िमत लेने की बात तो नहीं थी बल्कि 16 लाख 35 हजार रूपया वह उस पुराने स्ट्क्चर्स को वहां से गिराने और उस लैंड के बराबर दूसरी जगह कोतवाली बनाने के लिए वह उन दोनों ने एग्रीमेंट किया था। जहां तक गालिब मैमोरियल को सरकार द्वारा पैसे का अनुदान दिये जाने जाने का मामला है तो उस के लिए प्रस्ताव किया गया था और उसे एजुकेशन मिनिस्टरी के पास भेजा गया था और तब एजुकेशम मिनिस्टरी ने उस के लिए पैसा दिया था। इस में भी एजुकेशन मिनिस्टरी को लिखा जायगा। मैंने भी आप से जैसे कहा कि मुझे आप खत की कौपी मिले या फिर एजुकेशन मिनिस्टरी से होम मिनिस्टरी से मिले तो इस बारे में जो भी संभव कार्यवाही हो सकती है वह मैं अवश्य करूंगा।

श्री कंवरलाल गुप्त : क्या वह रिवाइज़ करेंगे इस चीज को इस बात का तो मंत्री महोदय से साफ़ जबाब ही नही दिया है। मंत्री महोदय से मेरे सवाल का साफ़ साफ़ जबाब दिलवाया जाय।

12.25 hrs.

RE : ERECTION OF STATUE OF MAHATMA GANDHI AT INDIA GATE

DR. RAM SUBHAG SINGH (Buxar) : It had been decided earlier to erect a statue of Mahatma Gandhi at India Gate. But we understand this Govenmrnt has decided to shift the site of Gandhiji's statue from there. We think this is most objectionable. The matter should be discussed by us,

SHRI SURENDRANATH DWIVEDY (Kendrapura) : We would like to have a statement from the Minister.

श्री रबिराय (पुरी) : हम चाहते हैं कि सरकार इस बारे में बयान दे। यह एक वाक़ई महत्वपूर्ण सवाल है।

SHRI RANGA (Srikakulam) : This is a very important matter. We should consider it (*Interruption*).

SOME HON. MEMBER *rose*—

MR. SPEAKER : There is already a call attention notice on the subject. I have admitted it.

SHRIMATI SHARDA MUKERJEE (Ratnagiri) : May I request you to ask the Government to come well-prepared to answer questions and not say that they require